विषय-सूची

क्र म.	अध्याय	पृष्ट सं.
1	यूरोपियों के आगमन के समय भारत	1
2	भारत में अंग्रेज़ी सत्ता का एकीकरण तथा विस्तार	7
3	1857 से पूर्व ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध जन-असंतोष	14
4	1857 का विद्रोह	21
5	सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन	25
6	स्वतंत्रता संघर्ष का आरंभ	31
7	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः स्थापना एवं उदारवादी चरण **(1885- 1905)**	33
8	उग्र-राष्ट्रवाद का युग *(1905-1918)*	38
9	क्रांतिकारी गतिविधियाँ (1907-17)	42
10	प्रथम विश्व युद्ध (1914-1919) और राष्ट्रवादी प्रत्युत्तर	45
11	खिलाफत एवं असहयोग अन्दोलन	50
12	सविनय अवज्ञा आन्दोलन ***(1930-31)*** तथा गोलमेज सम्मलेन	52
13	स्वराजी, समाजवादी विचारों एवं नवीन शक्तिओं का उदय	57
14	राष्ट्रीय आंदोलन: स्वतंत्रता और विभाजन की ओर (1939-47)	62
15	भारत में ब्रिटिश नीतियों का सर्वेक्षण	72
16	ब्रिटिश शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	74
17	कामगार वर्ग का आंदोलन	76
18	संविधानिक, प्रशासनिक और न्यायिक विकास	78
19	प्रेस का विकास	86
20	शिक्षा का विकास	90
21	महत्वपूर्ण ब्रिटिश समितियां व आयोग	94
22	विशिष्ट आंदोलनों से संबंधित व्यक्तित्व	96
23	गवर्नर जनरल: योगदान तथा महत्त्व	103

1. यूरोपियों के आगमन के समय भारत

यूरोपियों के भारत में आगमन के लिए जिम्मेदार कारक :

- जहाज निर्माण तथा *नौ परिवहन* में *यूरोपियों की उन्नत* तकनीक।
- यूरोपियों *का आर्थिक विकास*।
- भारतीय *वस्तुओं जैसे मसाले,* छींट, रेशम, *विभिन्न प्रकार के कीमती पत्थर,* चीनी *मिट्टी के बर्तनों इत्यादि की* यूरोप में बढ़ती *मांग*।
- भारत की अकूत दौलत।

एशिया में यूरोपियों के विजय का कालखंड :

पुर्तगाली *(1498)* → अंग्रेज़ *(1600)* → डच *(1602)* → **फ्रांसीसी *(1664)***

पुर्तगाली

- **टॉरडेसिलस की संधि *(1494)*- पुर्तगाल तथा स्पेन** के बीच अटलांटिक में एक आभासी रेखा के द्वारा **पुर्तगाल के लिए पूर्व तथा स्पेन के लिए पश्चिम** में गैर ईसाई दुनिया को विभाजित किया गया।

वास्कोडिगामा	• वास्कोडिगामा *1498* में आशा *अंतरीप* द्वीप *होते हुए* कालीकट *पहुंचा तथा* उसका जमोरिन *(*कालीकट का राजा*)* के द्वारा *स्वागत किया गया*। • *1502* तक, वास्कोडिगामा की दुसरी यात्रा के दौरान कालीकट, कोचीन और कन्नूर में व्यापारिक केन्द्रों *की स्थापना की गई तथा* उनकी किलेबंदी *की गई*। • अन्य *व्यापारियों के विपरीत पुर्तगाली भारत में व्यापार का एकाधिकार चाहते थे*।
पेड्रो अल्वरेज़ कैब्रल	• ***1500* में, कालीकट में** सबसे पहले फैक्ट्री की स्थापना की। • भारतीय उपमहाद्वीप पर *यूरोपियों के शासन के युग की शुरुआत*।
फ्रांसिस्को डी अलमीडा *(1505-1509)*	• **भारत में *पहला पुर्तगाली गवर्नर जिसने "शांत जल की (ब्लू वाटर) नीति" कार्टेज* प्रणाली की शुरुआत की** - इसमें भारतीय भूमि पर किले बनाने के बजाय समुद्र में शक्तिशाली होने पर बल दिया गया था। • **कार्टेज प्रणाली :** हिंद महासागर *में पुर्तगालियों द्वारा जारी* जल परिवहन *लाइसेंस या पास*।
अलफांसो डी अलबुकर्क *(1509- 1515)*	• इसे **भारत में पुर्तगाली शक्ति का संस्थापक** माना जाता है *:* इसने बीजापुर से गोवा को जीत लिया*;* मुस्लिमों पर अत्याचार*;* **विजयनगर के राजा श्री कृष्ण देव राय** *(1510)* से भटकल को जीत लिया*;* • भारत के *मूल निवासियों के साथ विवाह करने की नीति का आरंभ किया*। • इसके द्वारा *अपने प्रभाव क्षेत्र में* ***सती प्रथा पर प्रतिबंध*** *लगाया गया*। • *1515* में अल्बुकर्क की मृत्यु हो गयी तथा उस समय तक पुर्तगाली *भारत में सबसे मजबूत* नौ-सैनिक *शक्ति* के रूप में स्थापित हो चुके थे।
नीनू डा कुन्हा *(1529-38)*	• **इसके द्वारा *1503* में कोचीन की जगह गोवा को राजधानी बनाया गया।** इस प्रकार **भारत में पुर्तगाली *उपनिवेश की राजधानी गोवा बन गया*।** • उसके शासनकाल में, *दीव तथा* वसाई को गुजरात *के राजा बहादुर शाह से छीन* लिया *गया तथा उस पर* पुर्तगालियों *का कब्जा हो गया*। • *बहादुर शाह 1537* में दीव में पुर्तगालियों *से लड़ते हुए मारे गए*। • यह एक *व्यवहारिक नेता था जिसने पश्चिमी तटीय क्षेत्र से परे भी पुर्तगाली साम्राज्य का विस्तार किया*। उसके समय *में पुर्तगाली शक्ति का विस्तार पूर्वी तट तक हुआ*।

पुर्तगालियों की धार्मिक नीति: प्रारंभ में, सिर्फ मुस्लिमों के प्रति द्वेषपूर्ण, बाद में हिंदुओं के प्रति भी। *1579* में, *बादशाह अकबर को ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने के लिए ईसाई मिशनरियों को भेजा गया*।

भारत मे पुर्तगालियों *के पतन के लिए जिम्मेदार कारक :*

- मिस्र, फारस *तथा उत्तरी भारत में शक्तिशाली राजवंशों का उदय तथा* उनके *पड़ोसियों के रूप में मराठाओं का उद्भव;*
- मिशनरियों *की गतिविधियों से राजनीतिक भय तथा* उत्पीड़न *(*जैसे न्यायिक जांच*)* से घृणा उत्पन्न हुई *जो पुर्तगाली आध्यात्मिक दबाव के खिलाफ प्रतिक्रिया का कारण बनी;*
- पुर्तगाली प्रभुता को चुनौती देने वाली अंग्रेज़ी तथा डच वाणिज्यिक संस्थाओं का उदय*;*

- भारत में पुर्तगाली शासन की समुद्री डकैती तथा अवैध व्यापार *प्रथाओं के साथ बड़े विस्तृत पैमाने पर* भ्रष्टाचार *लालच एवं स्वार्थ;*
- ब्राज़ील की खोज के कारण पुर्तगाली *उपनिवेशों का पश्चिम की ओर* पलायन।

पुर्तगालियों *के आगमन का महत्व :*

- पुर्तगालियों *ने न केवल* **यूरोपीय *युग*** *की शुरुआत की बल्कि* **नौसैनिक *शक्ति के उदय*** *को भी चिन्हित किया*।
- **जहाज पर तोप के उपयोग की शुरुआत।**
- पुर्तगाली *समुद्र में उन्नत तकनीकों में माहिर थे*। उन्होंने बहुत बड़ी मात्रा में एक से अधिक डेक वाले जहाजों का निर्माण किया।
- मिशनरियों *तथा चर्च भी* भारत *में चित्रकारों,* नक्काशी *करने वालों तथा मूर्ति बनाने वालों के संरक्षक थे*।
- पुर्तगाली **संगठन बनाने में कुशल** थे —जैसे शाही शस्त्रागार और जहाज बनाने के स्थान का निर्माण तथा पायलटों की नियमित प्रणाली का रखरखाव तथा मानचित्रण तथा निजी व्यापारिक जहाजों पर अंकुश लगाने *के लिए* राज्य बलों को खड़ा करना — आदि अधिक उल्लेखनीय हैं।
- **इन्होंने युद्ध की यूरोपीय कला की शुरुआत की ।**
- गोआ में **चांदी के काम करने वाले तथा सोने के काम करने वाले सुनार** की कला का विकास।

नोट : पुर्तगाली भारत *में सबसे पहले* आये *तथा* भारत से *सबसे अंत में* गए।

डच *(नीदरलैंडवासी)*

- कॉर्नेलिस डी हॉटमैन पहला डच था जो *1596* में सुमात्रा और बेंटेन पहुंचा था।
- **डच संसद के एक चार्टर के द्वारा मार्च *1605* में यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना की गई थी,** इन्हें युद्ध करने, संधियां करने तथा किले बनाने की शक्ति प्राप्त थी।
- आंध्र क्षेत्र में *1605* में **मसूलीपट्टम में पहले कारखाने की स्थापना** की गई।
- बाद में वे पुर्तगालियों को हराकर यूरोपीय *व्यापारिक शक्ति के प्रमुख के रूप में उभरे*।
- **भारत में उनका प्रमुख केंद्र पुलिकट था,** जिसे बाद में नेगापट्टम में स्थापित किया गया।
- डच यमुना घाटी तथा मध्य भारत में उत्पादित नील *(इंडिगो),* बंगाल गुजरात तथा कोरोमंडल क्षेत्र से उत्पादित वस्त्र तथा रेशम, बिहार से शोरा, और गंगा की घाटी से उत्पादित अफीम एवं चावल का व्यापार करते थे।
- *1623* में, **अंग्रेजों *तथा* डचों *के बीच में एक संधि हुई*** → डचों ने भारत में तथा अंग्रेजों ने इंडोनेशिया में अपने अधिकार क्षेत्र के दावों को वापस ले लिया।
- *1650 (17*वीं शताब्दी*),* अंग्रेज़ भारत में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरने लगे।
- करीब *70* वर्षों तक *अंग्रेजों तथा* डचों *के बीच में लड़ाई जारी रही जिसमें डच एक-एक करके अपने* बस्तियों*/उपनिवेशों* को अंग्रेजों के हाथ खोते रहे।
- **डचों को** भारत में सा**म्राज्य स्थापित करने में कोई ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी**, वे सिर्फ *व्यापार करना चाहते थे*। *उनका मुख्य व्यावसायिक* **इंडोनेशिया *के स्पाइस दीप समूहों*** *में* था जहां से वे व्यापार के माध्यम से बड़ा लाभ अर्जित करते थे।
- **भारत में पतन - आंग्ल डच युद्धों** में डचों की हार एवं उनका ध्यान **मलय द्वीप समूहों** की ओर स्थानांतरित। **बेदरा के युद्ध *(1759)*** में अंग्रेजो के द्वारा डचों *को हराया गया*।
- लंबे *समय तक युद्ध के बाद दोनों पक्षों के द्वारा एक समझौता किया गया* जिसके *तहत अंग्रेजों* के द्वारा *इंडोनेशिया से अपने सभी दावों को वापस ले लिया तथा* डचों के द्वारा *भारत से अपने सभी दावों को वापस ले लिया* गया।

डचों के द्वारा : मसूलीपट्टनम (1605), पुलीकट (1610), सूरत (1616), विमलीपट्टनम (1641), करिकल (1645), चिनसूरः (1653), कासिमबाजार, बरानागोर, पटना, बालासोर, नेगापट्टनम (1658) और कोचीन (1663) में फैक्टरीयों की स्थापना की गई। इसमें पूर्वी तथा पश्चिमी दोनों तट शामिल थे)

अंग्रेज़

31 दिसंबर, *1600* को, **इंग्लैंड *की महारानी एलिजाबेथ प्रथम*** *के द्वारा एक चार्टर जारी किया गया जिसमें 15 वर्षों*

- *के लिए व्यापार का एकाधिकार प्रदान किया गया*। अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना *1600 में हुई* थी।
- *1609* में **इंग्लैंड से कैप्टन हॉकिंस** भारत में **मुगल बादशाह जहांगीर के शाही दरबार** में आया तथा उसने सूरत में एक अंग्रेजी व्यापार केंद्र की स्थापना करने की इजाजत मांगी, लेकिन *पुर्तगालियों के दबाव के चलते जहांगीर ने उसे इजाजत देने से मना कर दिया*।
- **थॉमस बेस्ट के द्वारा पुर्तगालियों पर विजय प्राप्त करते ही सूरत में एक फैक्ट्री की स्थापना** की गई।
- **बाद में *1613* में, जहांगीर ने अंग्रेजों *(*सर् थॉमस रो*)* को एक फरमान *(*अनुमति पत्र*)* जारी करके** आगरा, अहमदाबाद और भड़ौच में उनके व्यापारिक केंद्रों को स्थापित करने की अनुमति दे दी, जिसके बाद अंग्रेजों ने ***1613*** **में सूरत में अपना**